वाराणसी 15 मार्च 2015 अमर उजाला ऊर्जांचल

जिले के शैलचित्रों के संरक्षण की है जरूरत

घोरावल (सं.)। देवगढ़ महोत्सव के तहत शनिवार को विंध्य की आदिम सभ्यता और शैलचित्र विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शैलचित्रों के संरक्षण की जरूरत पर चर्चा की गई।

महोत्सव में दूर दराज से आए विद्वानों ने शैलचित्रों से जुड़ी सभ्यता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि शैलचित्रों में प्राचीन सभ्यता, देवपूजा, पर्यावरण समेत तमाम संदेश छिपे हुए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमाशंकर पांडेय और संचालन जितेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर डा. बीएल मल्ला, डा. चंद्रमोहन नौटियाल, इंद्रनाथ सिंह, सरजीत सिंह डंग, सहायक मत्स्य निदेशक अरविंद मिश्रा, सुधाकर शर्मा, पीएल मिश्रा, डा. आरपी नारायण, प्रदीप चंद्र शुक्ल मौजूद रहे। इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल पर शुक्रवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा. सुमेर सिंह शैलेश ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कवि ओमपाल सिंह निडर, विश्वनाथ द्विवेदी, विभा सिंह, लखनवी, डा. बृजेश सिंह, सुधाकर शर्मा, सतीश चंद्र भावुक, राजेंद्र तिवारी, डा. कृष्णावतार त्रिपाठी, डा. लखन राम ने कविता सुनाई। संचालन डा. नरेश कात्यायन ने किया।